

अध्याय - 9 | दैनिक जीवन में पृथक्करण विधियाँ

QUIZ
PART-03

1. मिश्रण को बिना हिलाए छोड़ने पर भारी अघुलनशील कणों के नीचे बैठने की प्रक्रिया क्या कहलाती है?

- A. वाष्पन
B. अवसादन
C. मथना
D. ओसाई (B)

व्याख्या: भारी और अघुलनशील ठोस कण कुछ समय बाद तल पर बैठ जाते हैं, इसे अवसादन कहते हैं।

2. निम्नलिखित में से कौन-सा अवसादन का उदाहरण है?

- A. नमक और पानी
B. दही और मक्खन
C. लोहा और बुरादा
D. कीचड़ और पानी (D)

व्याख्या: कीचड़ के भारी अघुलनशील कण पानी में नीचे बैठ जाते हैं।

3. अवसादन के बाद साफ द्रव को बिना ठोस कणों को हिलाए अलग करना क्या कहलाता है?

- A. निस्तारण
B. छानना
C. श्रेणिंग
D. चुंबकीय पृथक्करण (A)

व्याख्या: तल पर जमे ठोस को बिना हिलाए ऊपर के साफ द्रव को सावधानी से अलग करना निस्तारण है।

4. तेल और जल के मिश्रण को किस प्रकार अलग किया जा सकता है?

- A. दोनों को चुंबक से खींचकर
B. मिश्रण को मथकर
C. ऊपर की तेल की परत को धीरे-धीरे अलग करके
D. मिश्रण को छलनी में डालकर (C)

व्याख्या: तेल और जल दो अघुलनशील परतें बनाते हैं, इसलिए ऊपर की परत को सावधानी से अलग किया जा सकता है।

5. चावल और दाल को धोकर साफ करने में किस प्रक्रिया का उपयोग होता है?

- A. वाष्पन
B. निस्तारण
C. चुंबकीय पृथक्करण
D. श्रेणिंग (B)

व्याख्या: चावल या दाल धोने के बाद गंदे पानी को सावधानी से निकालना निस्तारण का उदाहरण है।

6. निस्संदन में मिश्रण को किससे गुजारा जाता है?

- A. केवल चुंबक से
B. केवल पवन से
C. केवल गर्म प्लेट से
D. फिल्टर पेपर, कपड़े या छलनी से (D)

व्याख्या: निस्संदन में फिल्टर माध्यम ठोस कणों को रोकता है और द्रव को गुजरने देता है।

7. कीचड़युक्त पानी के निस्संदन में क्या देखा गया?

- A. कीचड़ फिल्टर पेपर पर रहा और साफ पानी फ्लास्क में एकत्र हुआ
B. कीचड़ वाष्पित हो गया
C. जल फिल्टर पेपर पर रह गया
D. कीचड़ चुंबक से चिपक गया (A)

व्याख्या: अघुलनशील कीचड़ के कण फिल्टर पेपर पर रुक गए और जल उससे होकर नीचे चला गया।

8. निस्संदन द्वारा पानी से किस प्रकार की अशुद्धियाँ अलग की जाती हैं?

- A. घुलनशील नमक
B. जलवाष्प
C. अघुलनशील ठोस अशुद्धियाँ
D. सभी गैसों (C)

व्याख्या: निस्संदन अघुलनशील ठोस कणों को फिल्टर पर रोककर साफ द्रव प्राप्त करता है।

9. फिल्टर पेपर के अतिरिक्त किन पदार्थों का उपयोग फिल्टर के रूप में किया जा सकता है?

- A. केवल लोहा और ताँबा
B. कपास, चारकोल और रेत
C. केवल नमक और चीनी
D. तेल और पेट्रोल (B)

व्याख्या: कपास, चारकोल और रेत की परतें भी ठोस अशुद्धियों को रोकने के लिए फिल्टर बन सकती हैं।

10. उपयुक्त फिल्टर का चयन मुख्यतः किस पर निर्भर करता है?

- A. पात्र के रंग पर
B. द्रव की गंध पर
C. कमरे के तापमान पर
D. अलग किए जाने वाले पदार्थ के कणों के आकार पर (D)

व्याख्या: अलग किए जाने वाले कणों के आकार के अनुसार फिल्टर के छिद्रों का आकार चुना जाता है।